**भारत सरकार**

**महिला एवं बाल विकास मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1133**

**दिनांक 16 दिसम्‍बर, 2013 को उत्तर के लिए**

**राजीव गांधी शिशु गृह योजना की जांच**

**1133. श्रीमती बिमला कश्यप सूद:**

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) : क्या राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह योजना के अन्तर्गत देशभर में चलाए जा रहे बाईस हजार से अधिक शिशु गृहों (पालनाघर) के लिए 2009 और 2011 के मध्य मदर एन जी ओ को दिए गए लगभग 241 करोड़ रुपए के घोटाले को छुपाने के प्रयास किए गए हैं;

(ख) : यदि हां, तो इस योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त होने के बावजूद समय पर उचित कार्रवाई नहीं किए जाने के क्या कारण हैं;

(ग) : क्या देश के कई भागों में ये शिशु गृह केवल कागजों पर ही विद्यमान हैं और मामले की जांच सी. बी. आई. को सौंपी गई है; और

(घ) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रीमती कृष्णा तीरथ महिला और बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

**(क) : जी, नहीं ।**

**(ख) : उपर्युक्‍त (क) के उत्‍तर को ध्‍यान में रखते हुए प्रश्‍न नहीं उठता ।**

**(ग) और (घ) : जी, नहीं । तथापि, मंत्रालय को भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के विरूद्ध शिशु गृहों के प्रबंधन में अनियमितताओं के संबंध में शिकायतें प्राप्‍त हुई थीं और इनकी जांच की गई । केंद्रीय सतर्कता आयोग(सीवीसी) की सलाह के अनुसार, मंत्रालय ने शिकायतों की जांच का कार्य केंद्रीय अन्‍वेषण ब्‍यूरो(सीबीआई) को सौंप दिया है । जांच की रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है ।**

**\*\*\*\*\***